HD-05

June - Examination 2018

B.A. Pt. III Examination

आधुनिक काव्य

Paper - HD-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्न–पत्र के तीन खण्डों 'अ', 'ब', 'स'में विभक्त है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघुत्तरात्मक है और खण्ड 'स' में निबन्धात्मक प्रश्न हैं।

खण्ड – अ **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) लम्बी कविता से क्या तात्पर्य है?

(ii) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की लम्बी कविता शीर्षक का नाम बताइए।

(iii) सुमित्रानंदन पंत की लम्बी कविता 'परिवर्तन' का मूल प्रतिपाद्य क्या है?

(iv) मुक्तिबोध की दो लम्बी कविताओं के नाम लिखिए।

(v) 'धूमिल' का सम्पूर्ण नाम क्या है?

(vi) हरिवंशराय बच्चन' की दो काव्यकृतियों के नाम बताइए।

(vii) प्रबन्धकाव्य को परिभाषित कीजिए।

(viii) किन्हीं दो खण्डकाव्यों के नाम लिखिए।

(ix) मुक्तिबोध की कविता 'ब्रह्मराक्षस' की भाषा–शैली का परिचय दीजिए।

(x) 'वेदना ही काव्य है।' निराला की किसी कृति के आधारपर उक्त कथन की सार्थकता प्रमाणित कीजिए।

खण्ड – ब **$4 \times 10 = 40$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) आधुनिक काव्य की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए उसकी प्रमुख प्रवृत्तियों को विवेचित कीजिए।

3) सुमित्रानंदन पत्र की 'लम्बी कविता' परिवर्तन के प्रतिपाद्य को विविध उदाहरणो द्वारा सिद्ध कीजिए।

4) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की लम्बी कविता 'सरोजस्मृति' के निहित संदेश को उद्घाटित कीजिए।

5) हरिवंशराय बच्चन की 'दो चट्टानें कविता के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

6) नरेश मेहता के खण्डकाव्य 'प्रवाद पर्व' के अनुभूति पक्ष की विशेषताओं को सोदाहरण समझाइए।

7) सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''तू खिंची दृष्टि में मेरी छवि
जागा उर में तेरा प्रिय कवि
उन्मनन–गुंज सज हिला कुंज
तह पल्लव कलिदल पुंज पुंज
वह चली एक अज्ञात वात
चूमती केश–मृदु नवल गात
देखती सकल, निष्पलक नयन
तू समझा मैं तेरा जीवन
सासु ने कहा लख एक दिवस
भैया अब नहीं हमारा बस
पालना पोसना रहा काम
देना 'सरोज' को 'धन्य धाम'
शुचि कर के कर कुलीन लखकर
है काम तुम्हारा धर्मोत्तर..।''

8) सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

व्यक्तित्व वह कोमल स्फटिक प्रसाद सा
प्रासाद में जीना
व जीने को अकेली सीढ़ियाँ
चढ़ना बहुत मुश्किल रहा
वे भावसंगत–तर्कसंगत कार्य–सामंजस्य–योजित
समीकरणों के गणित की सीढ़ियाँ हम छोड दे उसके लिए,
उस भाव–तर्क व कार्य–सामंजस्य–योजन शोध में
सब पण्डितों, सब चिन्तकों के पास
वह गुरु प्राप्त करने के लिए
भटका !

9) सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

देह परपाषाण का, गुरु भार ढोते,
संतुलित करते उसे फिर, और फिर उससे
बराबर खेल करते, खुद हुआ पाषाण है वह।
कुछ नहीं उद्देश्य उसका, अर्थ उसका, ध्येय उसका
सिर्फ सक्रिय हर समय रहता, स्वचलितयंत्र जैसे
और वह अपनी महादयनीय स्थिति से
बेखबर है।
भाषा शून्य हृदय, दिमाग विचार सूना
और गायब कंठ स्वर है, व्यंग्य इससे
क्या बड़ा होगा, कि वह जग में अमर है।

खण्ड – स **$2 \times 20 = 40$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंको का है।

10) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की लम्बी कविता 'कुआनों नदी' की अनुभूति एवं अभिव्यंजना पक्ष पर विस्तृत प्रकाश डालें।

11) आधुनिकता को परिभाषित करते हुए उसकी प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए।

12) खण्डकाव्य की स्वरुपगत विशेषताएँ बताते हुए उसकी परम्परा और विकास पर एक निबंध लिखिए।

13) मुक्तिबोध की लम्बी कविता 'ब्रह्मराक्षस' के भावपक्ष की विशेषताओं को सोदाहरण समझाइए।